

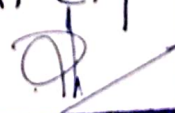
<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>
<p>२८/१/२५</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी महोदय मुख्यालय से बाहर हैं। अतः इत्तवा होकर पत्रावली आइन्दा <u> </u> को पेश हो। <u>५</u> <u> </u></p>
<p>८-११-२५</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी महोदय मुख्यालय से बाहर हैं। अतः इत्तवा होकर पत्रावली आइन्दा <u> </u> को पेश हो। <u> </u> १९-११-२५</p>
<p>१९-११-२५</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी महोदय मुख्यालय से बाहर हैं। अतः इत्तवा होकर पत्रावली आइन्दा <u> </u> को पेश हो। <u> </u> १०-१२-२५</p>
<p>१०-१२-२५</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी महोदय मुख्यालय से बाहर हैं। अतः इत्तवा होकर पत्रावली आइन्दा <u> </u> को पेश हो। <u> </u> १०-०१-२५</p>
<p>१०-०१-२५</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी महोदय मुख्यालय से बाहर हैं। अतः इत्तवा होकर पत्रावली आइन्दा <u> </u> को पेश हो। <u> </u> २८-०१-२५</p>
<p>२८.१.२५</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। प्राथमिक वकील उपस्थित। पत्रावली वास्ते ग. व. व. आइन्दा २८-३-२५ को पेश हो।</p>
<p>२८.३.२५</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। प्राथमिक वकील उप० वि० वि० रज्जु तरफ। प्राथमिक अधिवक्ता द्वारा रज्जु जार्जन-पत्र अन्तर्गत ०-५ R-१० का पेश किया। प्र० वि० पर विधान अधिवक्ता जार्ज जी व. व. व. आइन्दा में जार्जना-पत्र अन्तर्गत ०-१ R-१० स्वीकार किया जाना उचित लगसते हैं। पत्रावली में विधान</p>

फर्द अहकाम
अदालत सहायक कलेक्टर/उपखण्ड अधिकारी
मुकाम-धोरीमन्ना

पक्षीका	बनाम	रबीन्द्र/राम
जीसीएमएस संख्या	2017/000085	किस्म मुकदमा 08,53,198 RT 1-26

तारीख हुक्म	हुकम/कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए/पावती
-------------	------------------------------	---

आधिवक्ता प्रार्थना की रकम तरफा बहस
 चुनी। दौरान बहस प्रार्थना आधिवक्ताने
 प्रार्थना-पक्ष के तहसील को दोहराते हुए
 मूल वाद प्रामाणिक डिक्री होने पर उक्त
 आराजी में लाफैलता निषेधाज्ञा जारी करने का
 निवेदन किया। मैंने प्रजावली में सेलमनदस्तावेजों
 का स्थान पूर्वक अवलोकन किया तथा विधान
 आधिवक्ता प्रार्थना की बहस पर मनन किया।
 चूंकि मूल वाद प्रामाणिक डिक्री हो चुका है
 तथा अंतिम डिक्री होना तय है। अतः न्यायाधीन
 में प्रार्थना-पक्ष प्रार्थना स्वीकार किया जाना
 उचित समझते हैं। अतः मौजा जोदारों का तला,
 पश्चात् हलका मांगता के तहसील धोरीमन्ना
 के अंतर्गत खसरा संख्या 208/66.085 के
 में मौका एवं रेकर्ड की सहायता उभयपक्ष
 बनाए रखने हेतु अंतिम अल्ट्राई निषेधाज्ञा
 जारी की जाती है। अंतिम अल्ट्राई निषेधाज्ञा
 को मूल वाद के फैसल होने तक लाफैलता
 कन्फर्म की जाती है। तहसील दाद धोरीमन्ना
 को तहरीर जारी हो। प्रजावली फैसल शुमार
 होकर मूल वाद के साथ नहीं हो।


सहायक कलेक्टर
SDO धोरीमन्ना